हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

11 जिला स्तरीय ग्रामीण क्रिकेट स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंची 8 टीमें

11 एनएसएस शिविर में पहुंचे साइकिल मैन ऑफ इंडिया सुभाष बिश्नोई

खबर संक्षेप

24 लाख की ठगी के मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। विदेश भेजने का झांसा देकर 24 लाख की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवजोत सिंह पुत्र गुरमीत सिंह निवासी बीघड़, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता सुरेंद्र कुमार निवासी मताना ने परिवाद दर्ज कर बताया कि आरोपी ने उनके बेटे को विदेश पढ़ाई के लिए भेजने का झांसा देकर 24 लाख 14 हजार 612 रुपये का गबन किया गया है।

नशीली गोलियों सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशीली दवाओं की तस्करी करने वालों की धरपकड़ करते हुए सीआईए रतिया पुलिस ने एक युवक को नशीली गोलियों सहित काबू किया है। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रिछपाल ने बताया कि पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर गांव रत्ता खेड़ा बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक नशीली गोलियां बेचने की फिराक में तामसपुरा से चनकोटी की ओर पैदल जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर रेड की और संदिग्ध युवक को मौके पर काबू किया।

चूरापोस्त सहित आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने एक व्यक्ति को चूरा पोस्त सहित काबू किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस चौकी नागपुर से एएसआई कृष्ण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर गांव बीराबदी क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान फिरनी स्थित एक दुकान के पास एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध अवस्था में अंदर की ओर जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर काबू किया।

तीन दिवसीय मैगा बैडमिंटन टूर्नामेंट 9 से

सिरसा। नशे से नाता तोड़ो, खेलों से जोड़ो अभियान के तहत गुरदेव इंडोर स्टेडियम, संतनगर में श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, संतनगर की ओर से छठा मैगा बैडमिंटन टूर्नामेंट आगामी 9 से 11 जनवरी को करवाया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष हरपिंदर सिंह कूका ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जोकि आगामी 7 जनवरी की रात्रि 12 बजे तक चलेगी। अमर कूका ने बताया कि पुरुषों के डबल के लिए प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपए व इंट्री फीस 2500 रुपए होगी। पुरुषों के सिंगल के लिए प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपए व द्वितीय पुरस्कार 11 हजार रुपए तथा इंट्री फीस 1200 रुपए होगी।

बस स्टैण्ड की बजाए ओवरब्रिज के किनारे उतारने से लोगों में रोष

बड़ोपल में बस नहीं रोकने पर तीसरी बार हुआ हंगामा

विरोध के बाद अड्डे पर उतारी सवारियां, कंडक्टर-ड्राइवर पर मनमानी का आरोप

यात्रियों को हो रही परेशानी

फतेहाबाद बसस्टैंड (फाइल फोटो)

हरिभूमि न्यूज ⏩फतेहाबाद

नेशनल हाइवे 9 पर स्थित गांव बड़ोपल में बस स्टैण्ड की बजाय बस को ओवरब्रिज से ले जाने से खफा ग्रामीणों ने फिर हंगामा कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि बस चालक मनमानी करते हुए बस अड्डे पर सवारियां उतारने की बजाय सीधे ओवरब्रिज पर ले गया और ओवरब्रिज के किनारे पर सवारियां उतार दी। इससे नाराज सवारियों ने ड्राइवर के सामने नाराजगी जताना शुरू कर दी। बाद में ड्राइवर बस को अड्डे पर लेकर गया। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बता दें कि, इससे पहले भी दो बार बड़ोपल के ग्रामीण ऐसे ही विरोध जता चुके हैं। जानकारी के अनुसार, हिसार डिपो की बस 2 जनवरी की शाम को हिसार से सिरसा की तरफ जा रही थी। इस बस में गांव बड़ोपल के लिए करीब 10 सवारियां सवार हुई। इन सवारियों को गांव बड़ोपल की टिकट भी दी गई, मगर बस को गांव के बस अड्डे पर रोकने की बजाय ओवरब्रिज पर चढ़ाकर वहां सवारियां उतार दी गई। इस पर नाराज सवारियों ने ड्राइवर से बहस शुरू कर दी। ड्राइवर से कहा गया कि हर बार यही हाल है। क्या सवारियां टिकट नहीं ले रही हैं। जब गांव बड़ोपल की टिकट दी हुई है, तो सवारियों को निर्धारित बस अड्डे पर उतारा जाए। बाद में काफी देर बहस के बाद ड्राइवर बस को वापस अड्डे पर लेकर गया। फिर वहां सवारियां उतरी।

ग्रामीणों ने कहा, हमारा किसी रोडवेजकर्मी से विवाद नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि आए दिन रोडवेज बसों के कंडक्टर-ड्राइवर मनमानी कर रहे हैं। गांव बड़ोपल का बस अड्डा ओवरब्रिज के नीचे बना हुआ है। मगर वहां सवारियां उतारने की बजाय कंडक्टर-ड्राइवर सीधे ओवरब्रिज से बस ले जाते हैं। इससे सवारियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि हमारा किसी भी रोडवेज कर्मचारी के साथ वाद-विवाद नहीं है। मगर गांव के अड्डे पर सवारी बस के इंतजार में न रहे और न ही किसी ग्रामीण को दिन या रात में बस के इंतजार में खड़ा रहना पड़े।

पहले भी हुआ था विवाद

बता दें कि इससे पहले भी 21 दिसंबर को गांव बड़ोपल में बस अड्डे पर सवारियां न उतारने को लेकर हंगामा हो गया था। गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर डायल 112 टीम बुला ली थी। बाद में बस को कुछ देर के लिए बड़ोपल पुलिस चौकी के बाहर भी ले जाया गया था। बाद में रोडवेजकर्मियों के हस्तक्षेप से मामला निपट गया था।

लोगों में रोष, लाइटों को ठीक कराने की मांग

लाखों खर्च कर लगाई गई तिरंगा लाइटें बनी शोपीज

- लगभग तीन साल पहले शहर में तिरंगा लाइटें, अधिकतर हुई खराब

टोहाना। नगरपरिषद के खराब तिरंगा लाइटों का ढेर। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏩टोहाना

नगर परिषद द्वारा लाखों रुपये की लागत से शहर में लगाई तिरंगा लाइटें खराब हो चुकी है। शोपीस बन चुकी इन लाइटों की तरफ प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। लोगों की मांग है कि प्रशासन को ठेकेदार से गारंटी पीरियड में खराब हुई लाइटों को ठीक करवाना चाहिए। हरियाणा व्यापार मंडल प्रधान मन्नू सिंगला, शहरवासी विजेंद्र व मनीष ने कहा कि लगभग तीन साल पहले शहर में तिरंगा लाइटों को लगाने का टेंडर लगाया गया था जिस पर परिषद ने लाखों रुपये खर्च किए ताकि शहर में सुंदरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि गारंटी पीरियड के भीतर ही अधिकतर लाइटें खराब हो गई थी। इसके बावजूद नगर परिषद ने ठेकेदार से लाइटों को न तो बदलवाया न ही ठीक करवाया जिससे शहर के लोगों में रोष बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ठेकेदार द्वारा ठेके की शर्तों के अनुसार गारंटी पीरियड में बदला जाना था, ये लाइटें ठेकेदार ने जिस कम्पनी से खरीदी थी वहां से बदलवाकर लगवानी थी, मगर इनको उतारकर कुड़े के ढेर में डालने का काम किया जा रहा है।

कार्रवाई की मांग

सोशल मीडिया के माध्यम से पोस्ट जारी करते हुए सीएम नायब सैनी, स्थानीय निकाय मंत्री से मामले की विजिलेंस जांच के बाद कार्रवाई की मांग की है। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि इस मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों से बातचीत करेंगे तथा ये लाइटें गारंटी पीरियड में खराब हुई होंगी तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसफार्मर जला, 850 एकड़ में सिंचाई ठप

- सूक्ष्म सिंचाई प्लांट का ट्रांसफार्मर जलने से फसलों पर संकट

हरिभूमि न्यूज ⏩चोपटा

क्षेत्र के गांव शाहपुरिया में खेतों के अंदर सूक्ष्म सिंचाई परियोजना प्रोजेक्ट के तहत लगा हुआ ट्रांसफार्मर जल गया है। इससे किसानों की 850 एकड़ भूमि में सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसानों ने ट्रांसफार्मर बदलने की मांग को लेकर शनिवार को रोष व्यक्त किया। गौरतलब है कि गांव की 850 एकड़ रेतीली जमीन की सिंचाई की जाती है। फव्वारा लगाकर फसलों को पानी दिया जाता है। सरकार ने वर्ष 2018 में गांव में 4 करोड़ 4 लाख 18 हजार 750 रुपये का सूक्ष्म सिंचाई प्लांट लगाया गया था।

सिरसा। रोष जाहिर करते किसान। फोटो: हरिभूमि

समाधान न होने पर उत्पादन पर पड़ेगा असर

किसानों ने बताया कि अब बिजली पर ही आधारित है और ट्रांसफार्मर जलने से बिजली सप्लाई पूरी तरह से बाधित है। अगर जल्द ही बिजली सप्लाई शुरू नहीं हुई तो किसानों की फसल सिंचाई के अभाव में खराब हो जाएगी। इससे उत्पादन पर असर पड़ेगा। वहीं किसानों को आर्थिक तौर पर नुकसान होगा। किसानों ने बताया कि इस बारे में काडा विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया गया। काडा के अधिकारियों ने बिजली निगम के अधिकारियों को पत्र लिखने की बात कही। जब इस बारे में जब बिजली विभाग के चौपटा एसडीओ से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेवारी संबंधित विभाग की है।

थाने के बाहर सरपंच प्रतिनिधि को जड़ा थप्पड़

- होटल में पकड़े गए प्रेमी-प्रेमिका के मामले ने लिया हिंसक रूप

हरिभूमि न्यूज ⏩भूना

भूना। पुलिस स्टेशन के बाहर लोगों की भीड़ व गेट पर लाठी लेकर खड़े पुलिसकर्मी।

फतेहाबाद रोड स्थित एक होटल में शनिवार को एक महिला को उसके प्रेमी के साथ परिजनों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस गाड़ी मौके पर पहुंची और महिला व उसके प्रेमी को हिरासत में लेकर थाना भूना पहुंचाया गया। इसके बाद मामला उस समय तूल पकड़ गया, जब दोनों पक्षों के लोग थाने के बाहर जमा हो गए और पंचायती बातचीत के दौरान अचानक हिंसा हो गई।जानकारी के अनुसार महिला घर से धोखा देकर बहाना बनाकर निकली थी, लेकिन परिजनों को उसके होटल में होने की भनक लग गई। परिजन मौके पर पहुंचे और महिला व उसके प्रेमी को काबू कर लिया। बताया जा रहा है कि महिला और उसका प्रेमी दोनों ही शादीशुदा हैं तथा उनके बाल-बच्चे भी हैं। प्रारंभिक तौर पर महिला पुलिस के सामने अपनी मर्जी से प्रेमी के साथ जाने की बात कहती रही, लेकिन परिजनों के समझाने पर वह उनके साथ घर जाने को राजी हो गई।थाना परिसर के बाहर जब पंचायती लोग आपस में बातचीत कर रहे थे, उसी दौरान जगदीश नामक व्यक्ति ने अचानक सरपंच प्रतिनिधि के मुंह पर जोरदार थप्पड़ मार दिया।

मौके पर फैला तनाव

इससे मौके पर तनाव फैल गया और दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की चलने लगी। स्थिति बिगड़ती देख पुलिसकर्मियों ने लाठी डंडों के साथ मौके पर पहुंचकर भीड़ को तितर-बितर किया।उधर, दूसरे पक्ष का आरोप है कि यह मामला उनके बगड़ का था और सरपंच प्रतिनिधि को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था, क्योंकि वह दूसरे बगड़ से संबंध रखते हैं। वहीं सरपंच प्रतिनिधि ने आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई की है, जबकि सरपंच प्रतिनिधि पर हमला करने वाले आरोपी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

युवक की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

- क्षेत्र के गांव सालमखेड़ा क्षेत्र में पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏩ओढां

क्षेत्र के गांव सालमखेड़ा क्षेत्र में युवक की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने शनिवार को एक हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार रंजित गुरमेल उर्फ लक्खा सिंह की 28 दिसम्बर को कुछ लोगों ने तेजधार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी थी और मौके से फरार हो गए थे। सीआईए, डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि आरोपी की पहचान हैप्पी सिंह पुत्र साधु सिंह निवासी सालमखेड़ा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हरमेल सिंह पुत्र रामकृष्ण निवासी देसूजोधा जिला सिरसा ने शिकायत में बताया कि 28 दिसंबर को रात उन्हें सूचना मिली कि उसके भाई गुरमेल सिंह उर्फ लक्खा सिंह का सालमखेड़ा में झगड़ा हो गया है। जब वह ओढ़ा पहुंचे तो उसे पता चला कि ईआरवी स्टाफ ने उसे सिविल अस्पताल ओढ़ा में भर्ती करवाया है।

सिरसा। युवक की हत्या करने के मामले में पकड़ा गया आरोपी।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई

डबवाली की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के एक विशेष टीम का गठन कर जांच सौंपी। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड व गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी लोकेशन ट्रेस की। सीआईए स्टाफ डबवाली ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हैप्पी सिंह को काबू कर लिया गया। आरोपी वारदात के बाद लगातार स्थान बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था।

साढ़े चार किलोग्राम डोडा चूरापोस्त सहित आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। नाथूसरी चौपटा थाना की जमाल पुलिस चौकी ने गश्त व चैकिंग के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांव जमाल क्षेत्र से एक व्यक्ति को 4 किलो 500 ग्राम डोडा चूरापोस्त सहित काबू किया है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि नाथूसरी चौपटा थाना की जमाल पुलिस चौकी की एक टीम ने गश्त के दौरान गांव जमाल में मौजूद थी। इस दौरान गांव में गली से एक व्यक्ति पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने लगा। शक के आधार पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 4 किलो 500 ग्राम डोडा चूरापोस्त बरामद हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम से 30 लाख के गबन का आरोपी गिरफ्तार

धारा 316(4), 318(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏩फतेहाबाद

इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद ने आर्थिक अपराध के एक मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता अनिल मेहता निवासी हिसार द्वारा दर्ज कराए गए परिवाद में बताया गया था कि इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में कार्यरत सेल्समैन/मैनेजर ने ग्राहकों से नकद और यूपीआई के माध्यम से प्राप्त राशि को अपने निजी बैंक खाते में जमा कर लगभग 30 लाख रुपये की धोखाधड़ी की।

बैंक खातों का किया विश्लेषण

जांच के दौरान बैंक खातों और लेन-देन का विश्लेषण किया गया। आरोपी की पहचान संदीप सोनी उर्फ बन्टी पुत्र ऋषि वर्मा निवासी टिब्बा दाना शेर मंदिर वाली गली, हिसार के रूप में हुई। आरोपी को काबू कर लिया गया है। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में 19 नवंबर को धारा 316(4), 318(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट : नशा तस्करों पर प्रहार

- ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत 1487 ठिकानों पर दी दबिश,163 लोगों को भेजा सलाखों के पीछे

हरिभूमि न्यूज ⏩सिरसा

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत पुलिस ने नशा तस्करों, नशे के सौदागरों, संदिग्ध घटनाओं में संलिप्त व अन्य संगीन मामलों में वांछित अपराधियों के खिलाफ ताबड़-तोड़ कार्रवाई करते हुए 1487 स्थानों पर दबिश देकर नशा तस्करों की कमर तोड़ दी है। इस अभियान के तहत नशा तस्करी को अन्य गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ 88 मामले दर्ज कर 163 अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजकर कर करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ, अवैध हथियार बरामद करने में अहम भूमिका निभाई है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत 80 नशा तस्करों के खिलाफ 49 मामले दर्ज कर उनके कब्जा से करोड़ों रुपए की 1 किलो 92 ग्राम 219 मिलीग्राम हैरोइन व 69 किलो 486 ग्राम डोडा चूरा पोस्त तथा 408 ग्राम अफीम बरामद की है। जबकि अवैध रूप से नशीली दवाईयां बेचने वालों के खिलाफ कड़ा प्रहार करते हुए 27610 नशीली गोलियां, 24000 नशीले कैप्सूल बरामद किए है। वहीं अवैध रूप से शराब बेचने वाले 21 लोगों के कब्जा से 885 बोतल देशी शराब व 320 लीटर लाहन बरामद कर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत 21 मामले दर्ज किए गए है।

पुलिस ने गांव-गांव जाकर की कार्रवाई

उन्होंने कहा कि सिरसा पुलिस ने इसके तहत अपराधियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस की टीमें गांव-गांव, शहर-शहर नशा तस्करों, जुआरी, सटोरियों और आवारागर्दी व नशा तस्करों व अवैध रुप से चलाए जा रहे खुर्दे संचालकों के खिलाफ कॉम्बिंग ऑपरेशन के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए 142 व्यक्तियों को 172 बीएनएसएस के तहत पाबंद किया गया है। इसके अतिरिक्त सिरसा पुलिस ने सर्दी के मौसम में बेसहारा घूम रहे 1365 लोगों को स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सर्दी के कंबल, रोटी, कपड़ा व रात को रहने की उचित व्यवस्था की।

गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना के सीएसआर सहयोग से मिलेगी खेलों की बड़ी सौगात

भूना के राजकीय महाविद्यालय में बनेगा आधुनिक सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल मैदान

सांसद बराला ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल तथा सीएम नायब सिंह सैनी का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ⏩फतेहाबाद

भूना क्षेत्र को खेल अवसंरचना के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक सौगात मिलने जा रही है। राजकीय महाविद्यालय, भूना के खेल मैदान को अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सिंथेटिक टर्फ युक्त फुटबॉल मैदान में विकसित किया जाएगा। यह परियोजना गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना के सहयोग से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत साकार की जाएगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति एवं सहयोग प्रदान करने के लिए सांसद सुभाष बराला ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भूना क्षेत्र हमेशा से फुटबॉल प्रतिभाओं का गढ़ रहा है और यहां से अनेक खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं, लेकिन उच्च स्तरीय अभ्यास के लिए आधुनिक सुविधाओं की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी। खिलाड़ियों की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने यह प्रस्ताव पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष रखा था, जिसे अब मूर्त रूप दिया जा रहा है।

आधुनिक तकनीक से होगा लैस

बराला ने बताया कि गोरखपुर अणु विद्युत परियोजना द्वारा इससे पहले भी गांव बैजलपुर में सिंथेटिक हॉकी टर्फ का निर्माण कराया जा चुका है, जो खिलाड़ियों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है। इसी कड़ी में अब भूना में फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए आधुनिक तकनीक से लैस सिंथेटिक टर्फ मैदान विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक एनओसी जारी कर दी गई है, कॉलेज प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय पूरा हो चुका है तथा शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। सांसद सुभाष बराला ने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना फुटबॉल खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की अभ्यास सुविधा प्रदान करेगी और स्थानीय युवाओं की खेल प्रतिभा को बड़ा मंच देगी, जिले में खेल संस्कृति को और मजबूत करेगी तथा क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनेंगे।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

- स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट
- 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
- बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

- शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
- अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

जानकारी

बिजनेस डेस्क

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव

बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याददाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

खबर संक्षेप

जिलाध्यक्ष के पिता के निधन पर जताया शोक

सिरसा। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह के पिता सुखदेव सिंह निवासी ओढां का 27 दिसंबर को निधन हो गया। उनके निधन पर शनिवार को जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला शोक व्यक्त करने के लिए पहुंचे। उनके साथ भूप सिहाग, मंदर सिहाग, रामकुमार गोदारा, अजीत कुंडर, तेजा रत्ती, जगसीर, बंटी गोयल भी मौजूद थे। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने स्व. सुखदेव सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. सुखदेव सिंह का जाना समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है।

सरकारी स्कूल से गेहूं और चावल चोरी

सिरसा। हरियाणा सरकार द्वारा शीतकालीन छुट्टियां घोषित किए जाने के बाद सिरसा में अब सरकारी स्कूल चोरों के निशान पर आ गए हैं। ताजा मामला हुमायूं खेड़ा स्कूल में चोरी का सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में अध्यापक पवन कुमार ने बताया कि इन दिनों सरकार द्वारा सर्दियों की 15 दिनों की छुट्टियां घोषित की हुई है। स्कूल में नए साल के दिन एक जनवरी की रात को चोरी हो गई। चोरों ने स्कूल की रसोई का ताला तोड़ कर उसमें से करीब एक क्विंटल गेहूं के बैग, 2.5 क्विंटल चावल के 5 बैग चोरी कर लिए।

मेगा एजुकेशन फेयर 11 जनवरी को

सिरसा। वर्क हायर इंडिया की ओर से श्री अग्रवाल सेवा सदन में सिरसा का मैगा एजुकेशन फेयर-2026 आगामी आगामी 11 जनवरी को सुबह 10 बजे आयोजित किया जा रहा है। इस संबंधी जानकारी देते हुए अविनाश फुटेला ने बताया कि इस एजुकेशन फेयर में भाग लेने के लिए एक क्यू आर कोड जारी किया गया है, जिसे कोई भी स्कैन कर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकता है। रजिस्ट्रेशन बिल्कुल निःशुल्क रहेगा। उन्होंने बताया कि एक ही छत के नीचे देश-विदेश के प्रतिष्ठित कॉलेज, यूनिवर्सिटी, कोचिंग संस्थान और करियर एक्सपर्ट युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे।

अस्पताल की पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने टोहाना के जनता अस्पताल की पार्किंग से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में तिलक नगर, टोहाना निवासी पंकज गोयल ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर ड्यूटी पर गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को जनता हस्पताल की पार्किंग में खड़ा किया और ड्यूटी पर चला गया। शाम को ड्यूटी के बाद जब वह वापस बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से

सीजेएम ने नशे के खिलाफ शपथ दिलवाई

फतेहाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री की अध्यक्षता में नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत एडीआर सेंटर में नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेएम गायत्री ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है जो विशेष रूप से युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर धकेल रहा है।

कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी

सिरसा। शहर के हुडा सेक्टर में शनिवार सुबह एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढक़र हादसे का शिकार हो गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार की टक्कर से स्ट्रीट लाइट का पोल भी टूट गया। इस हादसे में कार में सवार लोगों को कोई चोट नहीं लगी है। वे सभी सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार गांव बजेकां निवासी युवक कार चला रहा था जबकि कार में उनके साथ गांव बेगू के दो युवक भी सवार थे। घटना स्थल पर मौजूद युवकों ने बताया कि बेगू के युवकों की जिला कोर्ट में तारीख थी। वे कार से हुडा सेक्टर होकर कोर्ट में जा रहे थे इसी दौरान हादसा हुआ।

शहीद ऊधम सिंह जयंती व शहीद भगत सिंह की स्मृति में प्रतियोगिता आयोजित

जिला स्तरीय ग्रामीण क्रिकेट स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंची 8 टीमें

- जिलेभर से 32 अलग-अलग ग्राम पंचायत की टीमों ने भागीदारी की
- क्वार्टर फाइनल में विजेता टीमें सेमीफाइनल व फाइनल के लिए आपस में भिड़ेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। जिला स्तरीय ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

नौजवान भारत सभा के 100 वर्ष पूरे होने तथा शहीद ऊधम सिंह की जयंती और शहीद भगत सिंह की स्मृति में भारत की जनवादी नौजवान सभा जिला कमेटी फतेहाबाद द्वारा 24 दिसम्बर से जारी जिला स्तरीय ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता अंतिम दौर में है। बहबलपुर के मुख्तियार सिंह मेमोरियल कॉलेज में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिलेभर से 32 अलग-अलग ग्राम पंचायत की टीमों ने भागीदारी की। इनमें से 8 टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। नौजवान सभा के जिला सचिव शाहनवाज एडवोकेट ने बताया कि 32 टीमों में से भरपूर, खुम्बर, अहलीसदर, रत्ताखेड़ा, नाढोडी, नंगथला, नन्हेडी, धांगड़, खूहवाली ने क्वार्टल फाइनल में प्रवेश किया है। अब ये टीमें सेमीफाइनल व फाइनल के लिए आपस में भिड़ेगी। क्वार्टर फाइनल मैच में शामिल हुए राज्य कोषाध्यक्ष जितेंद्र बढ़ावड ने कहा कि जनवादी नौजवान सभा शहीद-ए-आजम भगत सिंह को अपना आदर्श मानती है। उन्हीं के विचारों से प्रेरित एक युवा संगठन है, जो युवाओं के मुद्दों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की मांग को लेकर संघर्ष करता रहता है। उन्होंने कहा कि आज बढ़ती बेरोजगारी के चलते युवाओं को एक साजिश के तहत नशे व अपराध की तरफ धकेला जा रहा है। नशे की गिरफ्त में जाने के बाद युवा अपने मां-बाप तक की हत्या कर रहे हैं। सभा का मानना है कि युवाओं को सही दिशा देने के लिए उनकी ऊर्जा को खेल व रचनात्मक कार्यों में लगाया जाए तो युवा भारत के भविष्य को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। शहीद-ए-आज़म भगत सिंह ने कहा था कि युवाओं को तर्कशील होना चाहिए। किसी भी बात को आंख मूंदकर मान लेना भी एक तरह की गुलामी है।

सनियाना की अभिलाषा का हरियाणा अंडर-15 क्रिकेट टीम में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

भूना। सनियाना गांव निवासी होनहार क्रिकेट खिलाड़ी अभिलाषा मधाई का हरियाणा महिला अंडर-15 क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। अभिलाषा का चयन हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्टेट लेवल मैचों के लिए किया गया है। इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल बना हुआ है। अभिलाषा पिछले करीब तीन वर्षों से बाबा द्रोणागिरी क्रिकेट अकादमी, ललौदा में नियमित रूप से अभ्यास कर रही हैं। यहां वह अनुभवी क्रिकेट कोच मनदीप सिंह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर अभिलाषा ने क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। 13 दिसंबर से 27 दिसंबर तक रोहतक के लाहली में आयोजित अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में अभिलाषा ने शानदार प्रदर्शन किया। अपने बेहतरीन खेल के दम पर उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और अंततः हरियाणा की अंडर-15 टीम में स्थान बनाने में सफलता हासिल की। टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन को काफी सराहा गया। अपनी इस सफलता का श्रेय अभिलाषा ने अपने माता-पिता, कोच मनदीप सिंह तथा फतेहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव नरेश कुलडिया को दिया है। अभिलाषा का कहना है कि परिवार के सहयोग और कोच के मार्गदर्शन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। वहीं अभिलाषा के पिता राकेश मधाई ने भी कोच मनदीप सिंह और अकादमी का आभार जताते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन से बच्चों की प्रतिभा निखरती है। कोच मनदीप सिंह ने अभिलाषा की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि वह एक बेहद प्रतिभाशाली और अनुशासित खिलाड़ी है। उसने कड़ी मेहनत और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। भविष्य में यदि इसी तरह अभ्यास जारी रखा तो वह प्रदेश ही नहीं, देश का नाम भी रोशन कर सकती है। अभिलाषा की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गर्व की भावना है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि वह आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर हरियाणा और भारत का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगी।

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस स्कूल में एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते मुख्य वक्तागण। फोटो : हरिभूमि

प्रकृति संरक्षण के बिना जीवन की कल्पना एक दिवास्वप्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ सात दिवसीय एनएसएस शिविर
- दोनों अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मानित किया

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वन विभाग पंचकुला से विष्णु बागड़ी तथा जिला वन विभाग से भारती अरोड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारती अरोड़ा ने स्वयंसेवकों को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, पौधागिरी योजना, 75 वर्ष पुराने पेड़ों के लिए पेंशन योजना तथा वन विभाग की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वृक्ष केवल पर्यावरण का ही नहीं, बल्कि मानव जीवन का भी आधार हैं और इनके संरक्षण से ही भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं अपने प्रेरक उद्बोधन में विष्णु बागड़ी ने कहा कि प्रकृति संरक्षण के बिना मानव जीवन की कल्पना एक दिवास्वप्न मात्र है। उन्होंने गरवा (भिवानी) क्षेत्र में 01 जनवरी को पेड़ों का जन्मदिन मनाने की पहल तथा दयालु (दीनदयाल) योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर स्वयंसेवकों को प्रकृति से जुडऩे और पर्यावरण संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने व समाज में लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की ओर से दोनों अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने अतिथियों के संदेशों से प्रेरणा लेकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाशोत्सव पर प्रभात फेरियों का समापन

फतेहाबाद। दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में रतिया में 7 दिसंबर से आयोजित की जा रही प्रभातफेरियों का आज समापन किया गया। इस मौके बड़ी संख्या में संगत शामिल हुई। प्रभातफेरी सेवा सोसायटी के सेवादार हरप्रीत सिंह हैप्पी ने बताया कि प्रभातफेरियों के दौरान शहर के विभिन्न जगहों पर सेवक परिवारों द्वारा सेवा करवाई गई। आज की प्रभातफेरी की सेवा शहर के भूना रोड़ स्थित स. बलवंत सिंह के निवास पर आयोजित की गई। इस दौरान संगत गुरूद्वारा साहिब पुराना बाजार से चलकर शहर से होते हुए सेवक परिवार के निवास पर पहुंची जहां भाई त्रिलोक सिंह के रागी जत्थे ने संगत को शब्द कीर्तन से जोड़ते हुए गुरमत विचारों से निहाल किया। वही सेवादार गुरलीन कौर ने भी शब्द कीर्तन की हाजिरी लगवाई। इस दौरान सरबत के भले की अरदास ग्रंथी किशन सिंह ने की। इस मौके पर जरनैल सिंह भूना, अजैब सिंह मंडेर, जगजीत सिंह, बलविंद्र सिंह, जगसीर सिंह, फतेह सिंह, हरकीरत सिंह, जयपाल सिंह, गुरचरण सिंह, अमरीक सिंह, मनजीत सिंह, संदीप सिंह, नछत्तर सिंह, मोहन सिंह, बंटी मोंगा सहित बड़ी संख्या में सेवादार मौजूद रहे।

जेएनवी खारा खेड़ी में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

स्वयंसेवकों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। समापन समारोह में जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खीचड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खीचड़ ने कहा कि एनएसएस जैसे कार्यक्रम समाज सेवा एवं सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों की सेवा भावना की सराहना करते हुए उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना

फतेहाबाद। पीएम श्री जेएनवी खारा खेड़ी में एनएसएस कार्यक्रम समापन समारोह को संबोधित करती जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खीचड़। फोटो : हरिभूमि

विकसित करता है तथा उन्हें अपने कौशल एवं ज्ञान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है।

विद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विजय कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला और कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं को समाज सेवा एवं सामुदायिक विकास के लिए प्रेरित करना है। समापन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

57 स्वयंसेवी विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई

एनएसएस विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर समाज के प्रति समर्पण एवं सेवा भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस शिविर में विद्यालय के 57 स्वयंसेवी विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शिविर के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान के महत्व पर जागरूकता, पौधारोपण, सडक़ सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, जल संरक्षण, नशा मुक्त भारत अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत, कौशल विकास, स्वदेशी आंदोलन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम प्रमुख रहे। कार्यक्रम में उप-प्राचार्य अखिलेश कुमार अग्रवाल, सुंदर प्रकाश कौशिक, सुदेश कुमार, संजय, सुनील कुमार, अनिल योगी, अनु तथा शीतल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

चोरमार में प्रकाश गुरुपर्व को समर्पित नगर कीर्तन का किया आयोजन

ओढां। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश गुरुपर्व को समर्पित गांव चोरमार खेड़ा में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पालकी को बहुत ही सुंदर फूलों से सजाया गया। पालकी की अगुवाई पांच प्यारे साहिबान कर रहे थे और बोले सो निहाल के जयकारों से आसमान गूंज उठा। नगर कीर्तन के रास्ते में गलियों और सड़कों पर सबसे आगे संगत सतनाम वाहेगुरु का जाप कर रहे थे व झाड़ू लगाकर सफाई कर रहे थे। गतका पार्टी की टीम ने भी अपने करतब दिखाए जिन्हें देखकर संगत बोले सो निहाल का जयकारा लगा रही थी। इस अवसर पर दशमेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने गुरबाणी कीर्तन गायन किया। नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर गांव की गलियों व ढाणियों में से होते हुए वापिस गुरुद्वारा साहिब पहुंचा। नगर कीर्तन के साथ चल रही संगत की सेवा में श्रद्धालुओं ने कई जगहों पर पकौड़े और चाय के लंगर लगाए।

ओढ़ां। गांव चोरमार में गुरुद्वारा साहिब से नगर कीर्तन को रवाना करते हुए बाबा गुरपाल सिंह। फोटो : हरिभूमि

सावित्री बाई फुले का जीवन राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सावित्री बाई फुले की जयंती पर चत्तरगढ़पट्टी स्थित वृद्ध आश्रम में ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज ने फल व मिठाई वितरित की। जिला प्रधान भागीरथ सैनी ने कहा कि सावित्री बाई फुले हिंदुस्तान की प्रथम महिला शिक्षिका थी। जिन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए देश के पहले बालिका विद्यालय की स्थापना की और समाज सुधार की अलख जगाई। उनका प्रेरणादायी जीवन राष्ट्र निर्माण में सदैव मार्गदर्शक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष शिक्षा, सामाजिक समानता और नारी मुक्ति के लिए था। उन्होंने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला, जातिगत भेदभाव और छुआछूत का विरोध किया, विधवाओं के लिए आश्रम और दलितों के लिए कुआं बनवाया और समाज की कुरीतियों के खिलाफ लड़ते हुए खुद को भारत की पहली महिला शिक्षिका और

नारी आंदोलन की जननी के रूप में स्थापित किया। इस मौके पर बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट के प्रधान रविंद्र सैनी ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी माता सावित्री बाई फुले की शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। बालिकाओं को शिक्षित करना, हरियाणा की महिलाओं को 2100-2100 रुपए मासिक देना इसका साक्षात उदाहरण है। इस मौके पर महावीर सैनी, नरेंद्र रावत, रामस्वरूप सैनी, स. रणजीत सिंह टक्कर, अशोक कुमार भी मौजूद थे।

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम संपन्न

नारी शिक्षा की अलख जगाने वाली सावित्रीबाई फुले के विचार आज भी प्रासंगिक : जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा जिला कार्यालय में आधुनिक भारत की प्रथम शिक्षिका एवं नारी शिक्षा की प्रेरणास्रोत सावित्रीबाई फुले की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावांजलि दी और उनके त्यागमय जीवन को स्मरण किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में नारी शिक्षा की नींव रखी, जब समाज में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई। उनके प्रयासों से समाज में समानता, शिक्षा और जागरूकता का नया अध्याय प्रारंभ हुआ। उन्होंने ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। नारी सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार की दिशा में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। भाजपा सदैव ऐसे महापुरुषों के विचारों को आगे बढ़ाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

फतेहाबाद। सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खिचड़, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमन बजाज, नप जिला उपाध्यक्ष सविता टुटेजा, पूनम सिंगला, भारती सचदेवा, मधु बाला, जगदीश शर्मा, कंवल चौधरी, विकास शर्मा, शमी ढींगडा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनएसएस शिविर में सुभाष चंद्र बिश्नोई ने स्वयंसेवकों को किया मोटिवेट

शिविर में पहुंचे साइकिल मैन ऑफ इंडिया सुभाष बिश्नोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव भिरड़ाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के तौर पर साइकिल मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र बिश्नोई, रिटायर्ड फूड सप्लाई इंस्पेक्टर ने भाग लिया और विद्यार्थियों को मोटिवेट किया। शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत योग व एनएसएस के लक्ष्य गीत के साथ हुई।

एनएसएस प्रभारी विनय कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि सुभाष चंद्र बिश्नोई ने साइकिल यात्रा से भारत के 22 राज्यों समेत नेपाल तक नशा मुक्ति अभियान को फैलाने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का काम किया है। आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिरडाना में इनकी उपस्थिति गर्व की बात है। एनएसएस स्वयंसेवकों ने मुख्यअतिथि का तिलक लगाकर व एनएसएस का बैज लगाकर स्वागत किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करे हुए सुभाष चन्द्र बिश्नोई ने उन्हें शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों खासकर खेलों में भी बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मोबाइल के बढ़ते प्रयोग के कारण युवा घरों में ही कैद होकर रह गए हैं। आऊउडोर एक्टिविटीज को लेकर उनमें कोई उत्साह नहीं रहा, जोकि चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि हमें स्वस्थ रहना है और देश के विकास में अपना योगदान देना है तो घरों से निकलकर आऊउडोर एक्टिविटीज में भाग लेना होगा।

फतेहाबाद। भिरड़ाना में विद्यार्थियों को मोटिवेट करते साइकिल मैन ऑफ इंडिया सुभाष बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

स्वच्छता अभियान चलाया

इसके अलावा दूसरे वक्ता के रूप में हरियाणा पुलिस विभाग फतेहाबाद की तरफ से एसएचओ जयदेव व जगदीश कुमार ने भी स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए उन्हें मोबाइल के दुष्परिणाम, साइबर क्राइम से बचाव और यातायात के नियमों के बारे में विस्तार से विचार साझा किया। अंत में एनएसएस प्रभारी विनय कुमार ने अतिथियों का धन्यवाद किया। दोपहर बाद स्वयंसेवकों द्वारा स्कूल प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान बब्रुभान, दीपक, राजेश, निर्मला, सुखविंदर कौर, ज्योति सहित अनेक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रीय गान के साथ दिन का समापन किया।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस कैंप के समापन अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण कुमार मुख्य अतिथि शामिल हुए। कृष्ण कुमार ने कहा कि एनएसएस के विद्यार्थियों जो आप कैंप लगा रहे हैं, आप सबसे विशेष हैं, उन 3000 बच्चों में से आप चुन कर आए। उन्होंने सेवा भावना और एनएसएस के मुख्य मोटो नोट मी व्हाट यू की सार्थकता के बारे में विद्यार्थियों को बताया। प्रधानाचार्य मदन मलिक ने कहा कि आप अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा के समर्पित करें, आपके माता-पिता जो मखमली संवेदना आपके लिए संजोए हुए हैं, उनको स्वीकार कीजिए आप के माता-पिता दिन-रात आपके लिए मेहनत करते हैं और आपको पढ़ाते हैं। पढ़ाई में अपना ध्यान लगाएं, थोड़े दिनों के बाद आपकी परीक्षा है, दिन रात परिश्रम करें। मंच संचालन सुरेश गिरी ने किया। सह विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमोद कुमार, पंकज कुमार, दर्शन कुमार, पूजा छाबड़ा ने शिरकत की। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

सिरसा। शिविर के समापन पर मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए।

बा अदालत जनाब तहसीलदार कम सहायक कलैक्टर द्वितीय श्रेणी मण्डी डबवाली।
सरदूल सिंह उर्फ सादुल सिंह बनाम मीना आदि।
नोटिस इश्तहार बनामः-
1.मीना पुत्री कैलाश चन्द पुत्र हुक्म चन्द 2. गंगा देवी पत्नी मोती लाल पुत्र लक्ष्मण राम 3. सुनीता देवी पुत्री रामरख पुत्र चेतन वा पत्नी बदरी राम 4. मन्जू पुत्री रामरख पुत्र चेतन वा पत्नी जसवन्त सिंह 5. महेन्द्र सिंह पुत्र कुन्दन लाल पुत्र लक्ष्मण राम, निवासीगण गांव लखुआना, तहसील डबवाली, जिला सिरसा।
..............उत्तरवादीगण
प्रार्थी ने एक दरखास्त वास्ते किये जाने तकसीम भूमि वा तफसील खेवट नम्बर 335, खतौनी नम्बर 476 ता 484, किते 47, कुल अराजी तादादी 275 कनाल 15 मरले, बरूये जमाबन्दी साल 2017-2018 वा इन्तकाल नम्बर 2368, वाका गांव लखुआना, तहसील डबवाली, जिला सिरसा इस न्यायालय में दायर की है अगर इस बारे में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 27.01.2026 को मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना दावा या उजर पेश कर सकता है अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई भी एतराज काबिले गौर ना होगा और अदालत हाजिर ना आने पर एक तरफा कार्यवाही करके केस की नियमानुसार सुनवाई कर दी जायेगी।
यह इश्तहार आज दिनांक 30.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर सहित जारी किया गया।
हस्ता/- सहायक कलैक्टर द्वितीय श्रेणी डबवाली (सिरसा)।

भूना में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस ने बनाई रणनीति

नशे को लेकर जीरो टॉलरेंस, नशा बिकता मिला तो बीट इंचार्ज पर कार्रवाई होगी

डीएसपी नर सिंह बिश्नोई ने पुलिस थाने में ली कर्मचारियों की मासिक बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को डीएसपी नर सिंह बिश्नोई की अध्यक्षता में पुलिस थाना भूना में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएसपी ने अधिकारियों और पुलिस कर्मचारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएसपी नर सिंह बिश्नोई ने विशेष रूप से नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीट इंचार्ज अपने-अपने क्षेत्र में नशे की गतिविधियों पर पूरी नजर रखेगा और इस संबंध में उसकी जवाबदेही तय की जाएगी। यदि किसी क्षेत्र में नशे का कारोबार चलता पाया गया तो संबंधित बीट इंचार्ज के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

सर्दी और धुंध के मौसम में चोरी की घटनाएं बढने की संभावना को देखते हुए डीएसपी ने पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा गांवों व शहरी इलाकों में लोगों को ठीकरी पहरा लगाने के लिए जागरूक किया जाए। आमजन की भागीदारी से ही अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। बैठक में थाना अध्यक्ष ओमप्रकाश बिश्नोई ने लंबित शिकायतों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस पर डीएसपी ने संबंधित जांच अधिकारियों को मामलों में तेजी लाने और आवश्यक कार्रवाई तुरंत करने के निर्देश दिए। साथ ही अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर निरंतर निगरानी रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के आदेश भी दिए गए। बैठक में पुलिस स्टेशन के लिपिक प्रधान सुरेश कुमार सिवाच, सब इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार बिश्नोई, रामपाल खिलेरी, कांता देवी, शकुंतला देवी, सतीश कुमार, बंसीलाल, राजनीबाला, ममता काजला सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भूना। पुलिस कर्मचारियों को दिशा-निर्देश देते डीएसपी। फोटो : हरिभूमि

टोहाना में हेरोइन सहित पकड़े गए दो युवक

फतेहाबाद। जिला पुलिस ने टोहाना में नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए हेरोइन सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि एसआई जग्गा सिंह के नेतृत्व में सीआईए टीम नशा तस्करी की रोकथाम के उद्देश्य से गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक कोर्ट रोड स्थित रजबाहा पुल के पास हेरोइन सप्लाई की फिराक में खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर सुनियोजित रेड की। पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता से घेराबंदी कर काबू किया गया। आरोपी की पहचान विजय पुत्र सुखदेव सिंह निवासी वार्ड नंबर 14, गीता कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 6.64 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।दूसरे मामले में थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान फतेहापुरी पुल के समीप रेलवे फाटक ललोदा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक पुलिस पार्टी को देखकर घबरा गया और तेज कदमों से वापस मुडने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए युवक को कुछ ही दूरी पर काबू कर पूछताछ की। आरोपी की पहचान रामनिवास उर्फ टिल्लू पुत्र दलीप सिंह निवासी ठरवा के रूप में हुई।

तीन तस्कर गिरफ्तार, लाखों रुपये की हेरोइन व चूरापोस्त बरामद

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए सिरसा जिले क्षेत्र से तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये की हेरोइन व चूरापोस्त बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक नाबालिग युवक भी शामिल है। चोपटा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राधेश्याम ने शनिवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव गिगोरानी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक मोटरसाइकिल सवार युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़ गया। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे से करीब 82 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान मनदीप सिंह निवासी दड़बा कलां, जिला सिरसा के रूप में हुई है। तस्कर के खिलाफ नाथूसरी चोपटा थाना में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि गांव जमाल क्षेत्र से पुलिस ने छिंदा पुत्र ज्ञान चंद निवासी नटार, जिला सिरसा को साढ़े चार किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। गांव जमाल में एक व्यक्ति अपने हाथ में प्लास्टिक का थैला लिए हुए आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुडक़र भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर तलाशी ली तो उसके थैले से साढ़े चार किलोग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना नाथूसरी चौपटा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र से एक नाबालिग युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हेरोइन बरामद किया है। पुलिस अभिरक्षा में लिए गए नाबालिग युवक के खिलाफ थाना रोड़ी में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच रोड़ी थाना को सौंपी गई।

सिरसा। पकड़ा गया हेरोइन तस्कर।

सैनी सभा ने धूमधाम से मनाई फुले की जयंती

फतेहाबाद। कार्यक्रम में भाग लेते सैनी समाज के लोग।

- सावित्रीबाई केवल एक शिक्षिका नहीं, एक क्रांतिकारी समाज सुधारक भी थी : इन्द्र सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

देश की पहली महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारक माता सावित्रीबाई फुले की जयंती सैनी समाज द्वारा धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर ठाकर बस्ती स्थित सैनी धर्मशाला में सैनी सभा द्वारा हवन यज्ञ का आयोजन किया गया और उनके जीवन व कार्यों पर प्रकाश डाला गया। समाज के लोगों ने हवन में आहुति डालते हुए सावित्री बाई फूले द्वारा महिला सशक्तिरकण के लिए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर सैनी सभा द्वारा नए साल का कैलेंडर भी जारी किया गया।

सैनी सभा के प्रधान इन्द्र सैनी ने कहा कि सावित्रीबाई केवल एक शिक्षिका नहीं थीं, वे एक क्रांतिकारी समाज सुधारक भी थीं। उन्होंने छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आज अगर भारत की बेटियां डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट या वैज्ञानिक बन पा रही हैं, तो उसकी नींव सावित्रीबाई फुले ने ही रखी थी। उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान इन्द्र सैनी, संरक्षक त्रिलोक सैनी, उपप्रधान महेन्द्र सैनी, सचिव सुभाष सैनी, सहसचिव लीलूराम सैनी, कैशियर व पूर्व पार्षद राजकुमार सैनी, सदस्य राजाराम सैनी, रोहताश सैनी, मोहन लाल चक्की वाला, महावीर सैनी रिटायर्ड सचिव मार्किट कमेटी, राजकुमार सैनी, रोहताश सूईवाल, मोहन सैनी, धर्मपाल सैनी रिटायर्ड ऑफिसर बीएसएनएल, फकीर चंद सैनी बिजली बोर्ड, संदीप सैनी, सुनील सैनी, सुरेन्द्र सैनी, डॉ. रामस्वरूप पूर्व सैक्ट्री, सुरेन्द्र सैनी, पूर्व पार्षद शम्मी रत्ति सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विकास बंसल पर हमले के आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। बैंक ऑफ बड़ौदा के सहायक मैनेजर विकास बंसल पर जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने चार आरोपियों को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जीतु सिंह व ऋषु पुत्र जितेन्दर सिंह, योगेश पुत्र सत्यनारायण और हिमांशु पुत्र बिजेन्दर कुमार शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से एक बाइक भी बरामद की है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि शिकायतकर्ता विकास बंसल पुत्र सुरेश कुमार बंसल निवासी राम कालोनी सिरसा ने कहा था कि वह बैंक ऑफ बड़ौदा, जी.टी. रोड फतेहाबाद में सहायक मैनेजर हैं। रात को चार लोगों ने उसपर हमला किया।

संस्था ने दो जरूरतमंद मरीजों व तीन बच्चों को दिए स्कॉलरशिप के चेक

फतेहाबाद। सरबत दा भला संस्था द्वारा दो जरूरतमंद मरीजों आर्थिक सहायता व तीन बच्चों को दिए स्कॉलरशिप के चेक वितरित किए गए। संस्था के राष्ट्रीय हेल्थ डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. दिलजीत सिंह गिल एवं फतेहाबाद सीएमओ डॉ. बुधराम, भाजपा महिला जिला अध्यक्ष डॉ. सुमन बजाज ने यह चेक वितरित किए। डॉ. दिलजीत सिंह गिल का फतेहाबाद पहुंचने पर सदस्यों ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संस्था पैरामेडिकल सहित विभिन्न कोर्सों की पंजाब में 48 एकड़ में एक यूनिवर्सिटी बनाने जा रही है जिस पर 200 करोड रुपए की लागत आएगी।

कर्मचारी वेलफेयर एसो. की मासिक बैठक 6 को

फतेहाबाद। ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक 6 जनवरी मंगलवार को प्रातः 11 बजे जाट धर्मशाला के पास स्थित पुराना रेस्ट हाऊस, फतेहाबाद में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे। यह जानकारी देते हुए एसोसिएशन के महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने बताया कि बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग का लाभ देने सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सरकार से मांग की जाएगी कि आठवीं वेतन आयोग रिटायर्ड कर्मचारियों पर भी लागू किया जाए। सेवानिवृत उपरांत 65, 70, 76 वर्ष आयु पर 5, 10 व 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन दरों में वृद्धि की जाए।

विकसित भारत का सपना साकार होगा

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिंदड़ में एनएसएस शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव चिंदड़ के विद्यालय में एनएसएस स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते शिक्षाविद् अशोक कुमार बिश्नोई।

विकसित भारत का सपना हमारे देश की प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है। यह बात शिक्षाविद् अशोक कुमार बिश्नोई ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिंदड़ में चल रहे एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में देश के हर नागरिक को शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान सुविधा प्राप्त होगी। विकसित भारत का मतलब केवल आर्थिक समृद्धि नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी उन्नति भी है।

बिश्नोई ने बताया कि भारत ने पिछले कुछ दशकों में अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। कृषि, उद्योग, विज्ञान और तकनीक में विकास ने देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया जैसे अभियान देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ने आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा कि नवाचार, कौशल विकास और सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाकर ही हम एक समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण कर सकते हैं।

अजय सिंह का बयान देश में अराजकता फैलाने का प्रयास : सुभाष बराला

- राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अजय सिंह चौटाला के दिए बयान की कड़ी भर्त्सना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय सिंह चौटाला के ताजा बयान को देश में अराजकता फैलाने वाला बताते हुए उसकी कड़े शब्दों में भत्र्सना की। बराला ने कहा कि इस प्रकार के बयान यह स्पष्ट करते हैं कि इन नेताओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन नहीं है।

सांसद सुभाष बराला।

सांसद बराला ने कहा कि इनका इतिहास देखकर यह निश्चित रूप से सामने आता है कि उन्होंने हमेशा अपने वोट बैंक को साधने के प्रयास में केवल राजनीति की है और विद्वेष फैलाने का काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश का युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के साथ आगे बढ़ते हुए आज एक नया भारत देखना चाहता है, जिसकी सोच 'वसुधैव कुटुंबकम' की ओर अग्रसर है और वह ऐसे किसी भी बहकावे में आने वाला नहीं है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि 2019 में जेजेपी ने युवाओं को गुमराह कर दस विधानसभा सीटें जीतीं, लेकिन वही युवा अब समझ चुका है और इस विधानसभा चुनाव में हरियाणा से जेजेपी का सूपड़ा साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि जेजेपी केवल युवाओं को भडक़ा कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती रही है, जिसका परिणाम आज स्पष्ट रूप से सामने आया है।बराला ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता ने तीसरी बार भाजपा पर विश्वास जताया और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई है। ऐसे में, अजय सिंह चौटाला का बयान मतदाताओं और आम जनता की भावनाओं का अपमान है।

चौटाला-मेरठ राजमार्ग निर्माण में देरी से विकास हो रहा बाधित: सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि वर्ष 2021 में घोषित चौटाला-डबवाली-पानीपत-मेरठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में लगातार हो रही देरी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। घोषणा के समय यह कहा गया था कि यह महत्वपूर्ण हाईवे अक्टूबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि इसकी पूरी डीपीआर तक को अभी तक अंतिम स्वीकृति नहीं मिल पाई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह परियोजना केवल एक सडक़ निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों को सीधे उत्तर प्रदेश से जोडऩे वाला एक महत्वपूर्ण विकास मार्ग है।

इस हाईवे के बन जाने से क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होता, आवागमन सुगम होता और पूरे इलाके के आर्थिक विकास को नई दिशा मिलती। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से श्रीगंगानगर, अबोहर, चौटाला, डबवाली, सिरसा, फतेहाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों को लाभ मिलेगा।

ये बोलीं सांसद

उन्होंने सवाल उठाया कि जब इस परियोजना की डीपीआर तैयार करने पर लाखों रुपये खर्च किए जा चुके हैं और यह दो वर्षों से केंद्र सरकार के पास लंबित है, तो फिर निर्णय लेने में इतनी देरी क्यों हो रही है। विकास से जुड़ी ऐसी महत्वपूर्ण योजनाओं में टालमटोल सरकार की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह एनएच-709 चौटाला-डबवाली-पानीपत-मेरठ परियोजना की डीपीआर को शीघ्र स्वीकृति दे, निर्माण कार्य की स्पष्ट और व्यावहारिक समय-सीमा घोषित करे तथा वर्ष 2021 में की गई घोषणा को जल्द से जल्द जमीन पर उतारे।

गुरुनानकपुरा में खुलेआम बिक रहा नशा : भवानी

- गुरुनानकपुरा चौकी पर भाजपा नेता ने उठाये सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

भाजपा नेता एवं महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने फतेहाबाद शहर में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान पर सवाल खड़े किए हैं। शहर की पूरी गुरूनानकपुरा चौकी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर गुरुनानकपुरा चौकी ईमानदारी से काम करते हुए गुरुनानकपुरा मोहल्ले की एक गली को ही ढंग से संभाल लें तो फतेहाबाद व आसपास के गांवों में नशा खत्म हो जाएगा। इस चौकी के मुलाजिमों की मिलीभगत के कारण नशा बिक रहा है। यही नहीं, आरोप है कि चौकी के कर्मचारी पुलिस अधीक्षक को भी गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं और शिकायतकर्ताओं को एसपी से मिलने तक नहीं दिया जाता है।

भवानी सिंह।

बता दें कि भवानी सिंह महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले जिले में नशामुक्त अभियान चलाए हुए हैं। इस अभियान से नशा तस्करों में हडकंप की स्थिति है। बीती रात कुछ महिलाओं ने उनके घर जाकर भवानी सिंह के परिवार की महिलाओं की धमकी दी थी कि भवानी सिंह को रोक लो, नहीं तो अंजाम ठीक नहीं होगा।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

भवानी सिंह ने कहा कि अगर गुरुनानकपुरा चौकी ईमानदारी से काम करते हुए गुरुनानकपुरा मोहल्ले की एक गली को ही ढंग से संभाल लें तो फतेहाबाद व आसपास के गांवों में नशा खत्म हो जाएगा। इस चौकी के मुलाजिमों की मिलीभगत के कारण नशा बिक रहा है। रतिया में हुए युवाओं की मौत में भी इसी क्षेत्र से नशा बिकने के तार जुड़े हैं। इसके अलावा नशाविरोधी मुहिम के तहत वह जिस भी गांव में गए, वहां लोगों ने बताया कि उनके बच्चे गुरूनानकपुरा से ही नशा लेकर आते हैं। भवानी सिंह ने कहा कि एसपी सिद्धांत जैन नशा के खिलाफ सही काम कर रहे हैं लेकिन एसपी को स्वयं ग्राउंड में आना पड़ेगा। नशा तस्करों के साथ निचले स्तर के पुलिसकर्मियों की मिलीभगत है। एसपी भेष बदलकर ग्राउंड पर चेक करें तो पता चलेगा कहां-कहां, कैसे-कैसे नशा बिक रहा है। पुलिस के ही लोग सारी बात एसपी तक नहीं पहुंचने दे रहे हैं। शिकायतकर्ताओं को एसपी से मिलने तक नहीं दिया जाता है।

चार-चार गाडियां रखते हैं नशा तस्कर

भवानी सिंह ने कहा कि नशा बेचने वालों के घर पर तीन-तीन लाख रुपए की भैंस बंधी हुई है। ये लोग चार-चार गाडियां रखते हैं। पुलिस को क्या पता नहीं है। यह सब इनके पास कहां से आ रहा है। सबको पता है कि गुरुनानकपुरा मोहल्ले में नशा बिकता है। क्या सबने सरेंडर कर रखा है। कोई अधिकारी-कोई नेता बोल क्यों नहीं रहा है। कोई बोल नहीं रहा है तो इसका मतलब यह नहीं है कि नशा नहीं बिक रहा, क्राइम नहीं हो रहा। अब सबको एकजुट होकर नशा बेचने वालों का मुकाबला करने की जरूरत है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रतियोगिताओं में एमएम कॉलेज का दबदबा

रंगोली में हिमांशु व निबंध में जैसमीन कौर प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में कोई मतदाता ना छूटे की थीम पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में मनोहर मैमोरियल कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता को एक बार फिर साबित करते हुए विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में बाजी मारी। विजेता विद्यार्थियों को एमएम एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन आत्मप्रकाश बत्रा, प्रधान राजीव बत्रा, उपप्रधान अशोक तनेजा, सचिव विनोद मेहता एडवोकेट, कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा, बीएड कॉलेज उपप्रधान संजय बत्रा के अलावा प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास व डॉ. मीनाक्षी कोहली ने बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों व उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक भारती के आदेशानुसार आयोजित की गई इन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में जिलेभर के विभिन्न महाविद्यालयों से विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोकतांत्रिक चेतना और मतदाता जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया। एमएम कॉलेज से विद्यार्थियों ने प्रो. तान्या मेहता के नेतृत्व में भाग लिया।

फतेहाबाद। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते एमएम कॉलेज स्टाफ सदस्य।

कॉलेज प्रशासन ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया

रंगोली प्रतियोगिता में कॉलेज के एमए इंग्लिश फाइनल ईयर की छात्रा हिमांशु चतरा ने जहां पहला स्थान हासिल किया वहीं एमए हिस्ट्री फाइनल ईयर से नमन मोंगा तीसरे स्थान पर रहा। डेक्लेमेशन में बीकॉम फाइनल की छात्रा जैसमीन कौर द्वितीय स्थान पर रही वहीं निबंध लेखन में जैसमीन कौर ने तृतीय स्थान पाया। विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

धांगड़ मंदिर से चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

गांव धांगड़ के हनुमान मंदिर में चोरी करने करने के मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। युवक की पहचान सुमित उर्फ आलू पुत्र रोहताश निवासी धांगड़ के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से 500 रुपये नगदी बरामद किए गए हैं। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि इस बारे छोटे लाल, पुत्र राजा भईया, निवासी गांव धांगड़ ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार 26-27 दिसंबर की रात को गांव धांगड़ स्थित नानकपुरा ढाणी हनुमान मंदिर के दान पात्र से लगभग 8-9 हजार रुपये चोरी हो गए थे।

दानपात्र चोरी कर ले गया था सुमित

प्रार्थी ने बताया कि सुबह पूजा करने पहुंचे तो मंदिर का मुख्य ताला टूटा हुआ था और दान पात्र गायब था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और संदेह के आधार पर आरोपी सुमित उर्फ आलू को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 500 रुपये बरामद किए गए।

हरिभूमि रविवार भारती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप थ्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगति: इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरो: इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूत: डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्स: संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूज: इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन

लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने

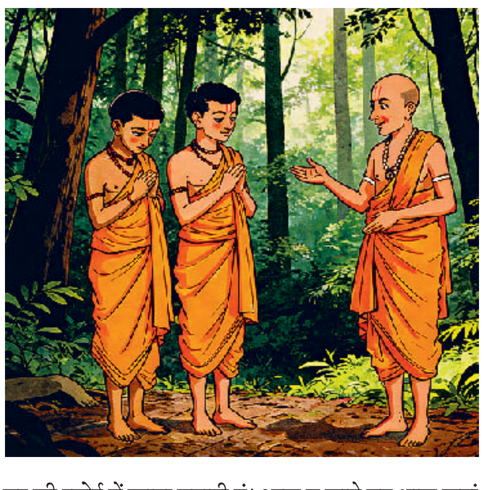

घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। 'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है। 'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे। 'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

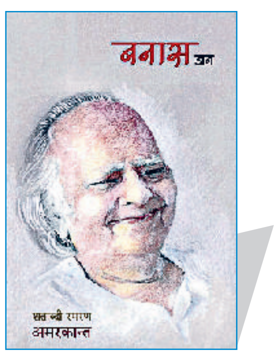

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादक: पल्लव, मूल्य: 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

फैमिली के संग घूम आइए 5 अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, सासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रूगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनलैंड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका में क्रूगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

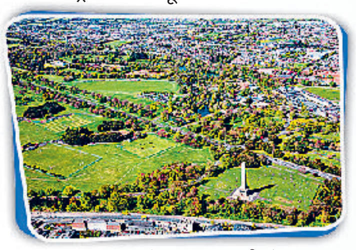

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

लुई ब्रेल

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *